एकवार्षिक स्नातकोत्तर पत्रोपाधि परीक्षा

पाठ्यक्रम

1- Year POST GRADUATE EXAMINATION SYLLABUS

एम्.ए.वैदिकअध्ययन

M.A.-Vaidic Studies

(Programme Code – PGD- VST)

अधिगम परिणाम-आधारित पाठ्यचर्या रूपरेखा (L.O.C.F.)

2025-2026

(वेद विभाग)

वेद-वेदाङ्ग एवं साहित्य सङ्काय

Faculty of Ved Vedanga evam Sahitya

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

MAHARSHI PANINI SANSKRIT EVAM VEDIC VISHWAVIDYALAYA

देवास मार्ग, उज्जैन (मध्यप्रदेश) भारत, पिन - 456010

Email:- regpsvvmp@rediffmail.com, Website:- www.mpsvv.ac.in

संकल्प मिश्र

परीक्षापाठ्यक्रम नियमावली

1. **पाठ्यक्रम का स्वरूप -**

अधिगम परिणाम-आधारित पाठ्यचर्या रूपरेखा (LOCF) पर आधारित एकवार्षिक **एम्.ए.-वैदिकअध्ययन** परीक्षा (नियमित एवं स्वाध्यायी) का पाठ्यक्रम चार सत्रार्द्धों में विभक्त होगा। पाठ्यक्रम में प्रतिसत्रार्द्ध 5 प्रश्नपत्र होंगे। 5-5 क्रेडिट के चार अनिवार्य प्रश्नपत्र मूल विषय के होंगे। पाँचवें प्रश्नपत्र के रूप में 2 क्रेडिट के प्रशिक्षुता/सङ्गोष्ठी/मूल्याधारित पाठ्यक्रम आदि शासन द्वारा जारी अध्यादेश 14 (2) के अनुसार होंगे। छात्रों द्वारा VAC पाठ्यक्रम अन्य विषय से भी चयन किये जा सकेंगे। पाठ्यक्रम में प्रथम 4 प्रश्नपत्रों हेतु पूर्णाङ्क 100 है। जिसमें 40 अङ्कों का आन्तरिक मूल्याङ्कन तथा 60 अङ्कों की सैद्धान्तिक (बाह्य) परीक्षा होगी।

2. प्रवेशनियम

एकवार्षिक एम्.ए.- वैदिकअध्ययन परीक्षा में निम्नलिखित परीक्षोत्तीर्ण छात्र प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे -

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) त्रिवार्षिक स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।

3. परीक्षायोजना

1. एकवार्षिक **एम्.ए.- वैदिकअध्ययन** परीक्षा का माध्यम हिन्दी अथवा संस्कृत होगा। परियोजना प्रतिवेदन/लघुशोधप्रबन्ध की भाषा भी संस्कृत अथवा हिन्दी होगी।

4. प्रश्नपत्रनिर्माणयोजना -

मुख्य पाठ्यक्रमों हेतु

प्रतिप्रश्नपत्र अधोलिखित अनुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

क्रमांक	प्रश्नप्रकार	प्रश्नसङ्ख्या	अङ्क	योग
1	बहुविकल्पकीय	5	1	5
2	लघूत्तरीय/टिप्पण्यात्मक	5	3	15
3	निबन्धात्मक/व्याख्यात्मक	5	8	40

संकल्प मिश्र

4	आन्तरिकमूल्याङ्कन			40
योग				100 अङ्क

VAC पाठ्यक्रमों हेतु

प्रतिप्रश्नपत्र अधोलिखित अनुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

क्रमांक	प्रश्नप्रकार	प्रश्नसङ्ख्या	अङ्क	योग
1	बहुविकल्पकीय	5	2	10
2	लघूत्तरीय/टिप्पण्यात्मक	5	6	30
3	निबन्धात्मक/व्याख्यात्मक	5	12	60
योग				100 अङ्क

5. ग्रेडिंगपद्धति-

एकवार्षिक एम्.ए.- वैदिकअध्ययनपरीक्षा में परीक्षाफल प्रकाशन में ग्रेडिंग पद्धति अपनायी जाएगी।

संकल्प मिश्र

CONVERSION OF MARKS INTO GRADE AND GRADE POINT			
MARKS OBTAINED	GRADE	GRADE POINT	DESCRIPTION
> 90%	O	10	Outstanding
> 80%	A+	9	Excellent
>70%	A	8	Very Good
>60%	B+	7	Good
>50%	B	6	Above Average
>40%	C	5	Average
40%	P	4	Pass
<40%	F	0	Fail
Ab	Ab	0	Absent

Equivalent Percentage= CGPA X 10

The Maximum Marks per paper is fixed at 100

(If it is less or more than 100, convert it into 100 for grading)

Cumulative Grade Point Average

Based on the grades obtained in all the subjects registered for by a student, his or her cumulative Grade point Average Semester Grade Point Average (SGPA) and Cumulative Grade

संकल्प मिश्र

Point Average (CGPA) is calculated as follows:

$$SGPA/CGPA = \frac{(\text{No. of credits} * \text{Grade Point})}{\text{No. of Credits}}$$

SGPA/CGPA is rounded off to the decimal Place.

- जो छात्र किसी सत्रार्द्ध के कुछ पाठ्यक्रमों (प्रश्नपत्रों) में अनुत्तीर्ण होते हैं, किन्तु यदि वे सत्रार्द्ध के कुल क्रेडिट (22) का 40% (अर्थात् 9 क्रेडिट) प्राप्त कर लेते हैं, तो उन्हें अनन्तिम रूप से अग्रिम सत्रार्द्ध में प्रोन्नत किया जावेगा तथा अनुत्तीर्ण पाठ्यक्रमों में उन्हें **एटीकेटी** प्राप्त होगी।
- शोध प्रबन्ध/परियोजना/सङ्गोष्ठी को पूर्ण न कर सके अथवा असफल रहे छात्रों को दो सत्रार्द्ध तक इन्हें दोहराने का अवसर मिलेगा। यदि दोनों सत्रार्द्ध में छात्र इन्हें पूर्ण नहीं कर सका, तो वह सम्बन्धित पत्रोपाधि का पात्र नहीं होगा।

6. उपलब्ध स्थान -

उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु उपलब्ध स्थान प्रवेश अधिसूचना द्वारा निर्धारित होंगे। प्रवेश के लिए उपलब्ध स्थानों पर राज्यशासन के नियमानुसार आरक्षण प्रदान किया जाएगा। अधिक प्रवेशार्थी होने की स्थिति में प्रत्येक सत्र में विश्वविद्यालय प्रशासन से स्थानवृद्धि की स्वीकृति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

7. शुल्क -

छात्रों का प्रवेश शुल्क, परीक्षा तथा अन्य विभिन्न गतिविधियों का शुल्क विश्वविद्यालय के सम्बन्धित अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा, जिन्हें समय-समय पर आवश्यक होने पर संशोधित किया जा सकेगा।

8. परीक्षा सञ्चालन एवं पत्रोपाधि की पात्रता -

प्रस्तुत पाठ्यक्रम की परीक्षा का सञ्चालन विश्वविद्यालय द्वारा सम्बन्धित अध्यादेशों में विहित प्रावधानों के अनुसार किया जायेगा। उक्त स्नातकोत्तर परीक्षा पूर्ण करने के पश्चात् उत्तीर्ण होने पर एकवार्षिक **एम्.ए.- वैदिकअध्ययन** की पत्रोपाधि प्रदान की जाएगी।

संकल्प मिश्र

9. अवधि-

अध्यादेश 14 (2) के अनुसार एकवार्षिक स्नातकोत्तर **पत्रोपाधि** कार्यक्रम को अधिकतम एक वर्षों में पूर्ण करना अनिवार्य है।

10. सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम सञ्चालन- छात्रों द्वारा प्रथम अथवा तृतीय सत्रार्द्ध हेतु सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम चयन किये जाने पर विभागाध्यक्ष द्वारा सम्बद्ध विषय में मुख्य चार पाठ्यक्रमों पर आधारित सङ्गोष्ठी शीर्षकों की विस्तृत सूची जारी की जावेगी, जिन पर कक्षा में विमर्श किया जावे। परीक्षा आन्तरिक मूल्याङ्कन द्वारा सम्पादित की जावेगी। तृतीय सत्रार्द्ध के जो भी छात्र सङ्गोष्ठी पाठ्यक्रम स्वीकार करेंगे, उन्हें उस सत्रार्द्ध की अवधि में राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की न्यूनतम एक सङ्गोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद में सहभागिता करना अनिवार्य होगा तथा सम्बन्धित सङ्गोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद का प्रतिवेदन, प्रमाणपत्र एवं शोधपत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य रहेगा।

11. कार्यक्रम योजना

5. कार्यक्रम योजना

वर्ष/ सत्रार्द्ध		पाठ्यक्रम प्रकार				कुल क्रेडिट
		मुख्य पाठ्यक्रम एवं क्रेडिट			इन्टर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप/ सङ्गोष्ठी अथवा VAC (CHM/ EEMC)	
		पाठ्यक्रम स्तर	मुख्य पाठ्यक्रम	क्रेडिट		
विकल्प- 1 (केवल पाठ्यक्रम कार्य)						
प्रथम वर्ष	प्रथम सत्रार्द्ध	500	CC-11 वैदिक साहित्य का इतिहास	5	सङ्गोष्ठी (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-12 ऋग्वैदिक सूक्त	5		
		500	CC-13 सभाष्य शुक्लयजुर्वेदसंहिता	5		
		500	CC-14 वैदिक दर्शन	5		
	द्वि	500	CC-21 वेदपरिचय,ब्राह्मण,श्रौतसूत्र एवं	5	VAC (CHM/	22

संकल्प मिश्र

	तीय सत्रार्द्ध		वैदिक व्याकरण		EEMC) (2 क्रेडिट)	
		500	CC-22 भाष्यभूमिका एवं वैदिकसूक्त	5		
		500	CC-23 यजुर्वेदीयसूक्त	5		
		500	CC-24 गीता एवं वैदिकदर्शन	5		
विकल्प- 2 (पाठ्यक्रम कार्य एवं शोध कार्य)						
प्रथम वर्ष	प्रथम सत्रार्द्ध	500	CC-11 वैदिक साहित्य का इतिहास	5	सङ्गोष्ठी (2 क्रेडिट)	22
		500	CC-12 ऋग्वैदिक सूक्त	5		
		500	CC-13 सभाष्य शुक्लयजुर्वेदसंहिता	5		
		500	CC-14 वैदिक दर्शन	5		
	द्वितीय सत्रार्द्ध	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)				22
विकल्प- 3 (केवल शोध कार्य)						
प्रथम वर्ष	प्रथम सत्रार्द्ध	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)				**22**
	द्विती	शोधनिबन्ध/ परियोजना/ पेटेन्ट (अन्तः अथवा बाह्य)				**22**

संकल्प मिश्र

	य स त्रा ई		

12. पाठ्यक्रम प्रकार

मुख्य पाठ्यक्रम (Core Course) CC- किसी विषय/कार्यक्रम का अनिवार्य पाठ्यक्रम जिसका उद्देश्य विषय/कार्यक्रम का आवश्यक मौलिक, व्यापक और उन्नत ज्ञान प्रदान करना है।

मूल्य-संवर्धित पाठ्यक्रम (Value-Added Course) VAC - मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम विशिष्ट पाठ्यक्रम होते हैं जो छात्रों को नियमित पाठ्यक्रम से परे, किसी विशिष्ट क्षेत्र में अतिरिक्त कौशल, ज्ञान और विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। ये पाठ्यक्रम छात्रों की रोज़गार क्षमता, करियर की संभावनाओं और व्यक्तिगत विकास को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

संवैधानिक, मानवीय और नैतिक मूल्य (Constitutional, Human and Moral) CHM- ये 'मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम' हैं जिनका उद्देश्य संवैधानिक, मानवीय एवं नैतिक मूल्यों तथा बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर शिक्षा एवं अभ्यास प्रदान करना है।

रोजगार एवं उद्यमिता कौशल पाठ्यक्रम (Employability and Entrepreneurship Skill Course) EEMC- रोजगार योग्यता एवं उद्यमिता कौशल पाठ्यक्रम एक ऐसा पाठ्यक्रम है, जिसका उद्देश्य रोजगार योग्यता कौशल को बढ़ाना और प्रमुख व्यक्तिगत विशेषताओं को विकसित करना है, जो रोजगार क्षमता पैदा करने और कार्यस्थल पर प्रभावी प्रदर्शन के लिए तैयार करने के लिए आवश्यक हैं।

प्रशिक्षुता (Internship)- इंटर्नशिप किसी व्यक्ति द्वारा किसी संगठन में काम करने के ढङ्ग को समझने के अतिरिक्त, किसी विशिष्ट कार्य या भूमिका के लिए कौशल योग्यता में सुधार और सीखने के अवसरों के साथ-साथ शोध क्षमताओं का निर्माण करने के लिए भी की जाती है। इंटर्नशिप इस प्रकार आयोजित की जानी चाहिए कि इससे इंटर्न के साथ-साथ इंटर्नशिप प्रदान करने वाले संगठन को भी लाभ हो।

संकल्प मिश्र

कार्यस्थल के लिए आवश्यक सही दृष्टिकोण के साथ व्यावहारिक अनुभव और अनुभव विकसित करके स्नातकोत्तरों की रोजगार क्षमता में सुधार किया जा सकता है। इंटर्नशिप उन महत्वपूर्ण उपकरणों में से एक है जो इन रोजगार कौशलों को बेहतर बनाने में मदद करते हैं और छात्रों में रोजगार के लिए योग्यता, क्षमता, पेशेवर कार्य कौशल, विशेषज्ञता और आत्मविश्वास पैदा करने और शोध के प्रति रुचि/जुनून विकसित करने में मदद कर सकते हैं। इंटर्न कार्यस्थल में सिद्धांत के अनुप्रयोग को समझ सकते हैं। इंटर्नशिप को मोटे तौर पर दो प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है-

i. रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए इंटर्नशिप

ii. शोध योग्यता विकसित करने के लिए इंटर्नशिप

शिक्षुता (Apprenticeship) - शिक्षुता प्रशिक्षण किसी भी उद्योग या प्रतिष्ठान में प्रशिक्षण का एक कोर्स है, जो नियोक्ता और शिक्षुओं के बीच शिक्षुता के अनुबंध के अनुसरण में और निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार किया जाता है।

सङ्गोष्ठी (Seminar) – सङ्गोष्ठी गतिविधि आधारित पाठ्यक्रम हैं, जिनमें छात्र सामान्यतः अपनी कक्षा में तैयार किए गए प्रदत्त कार्य (Assignments), परियोजना (Project) / विषय बिन्दु तथा शीर्षक आधारित चर्चा (Theme & Topics) करते हैं।

संकल्प मिश्र

एकवार्षिक एम्.ए.वैदिकअध्ययन
पत्रोपाधि सत्रार्द्धपरीक्षा पाठ्यक्रम

M.A.-Vaidic Studies

Syllabus

(Programme Code – PGD- VST)

प्रथम सत्रार्द्ध

2025-2026

(वेद विभाग)

वेद-वेदाङ्ग एवं साहित्य सङ्काय

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

देवास मार्ग, उज्जैन (मध्यप्रदेश) भारत, पिन - 456010

Email:- regpsvvmp@rediffmail.com, Website:- www.mpsvv.ac.in

संकल्प मिश्र

भाग अ – परिचय			
कार्यक्रम : **पत्रोपाधि**	कक्षा :**द्विवर्षीय एम. ए. (स्नातकोत्तर)**	सत्रार्द्ध : **प्रथम**	सत्र : **2025-26**

विषय : **वैदिक-अध्ययन**			
1.	पाठ्यक्रम कोड	PGT-VST11	
2.	पाठ्यक्रम शीर्षक	**वैदिक साहित्य का इतिहास**	
3.	पाठ्यक्रम प्रकार	मुख्यविषय (प्रथमप्रश्नपत्र)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम अध्ययनोपलब्धि (CLO)	1. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक साहित्य के इतिहास की व्याख्या कर सकेंगे। 2. वैदिक साहित्य के वर्गीकरण, महत्त्वादि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।	
6.	क्रेडिट-मान	**05 क्रेडिट**	
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क 40+60 = 100	न्यूनतमोत्तीर्णांक 40

भाग ब – पाठ्यक्रम-विषयवस्तु		
व्याख्यान संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 05 घण्टे) :L-T-P		
इकाई	**विषय**	**व्याख्यान संख्या**
1	वेद शब्द का अर्थ, महत्त्व तथा वेदविभाग, वेदकालनिर्णय तथा विभिन्न मत (भारतीय परम्परागत विचार अपौरुषेयवाद) मैक्समूलर, ए. वेबर, एम्. विन्टरनित्ज तथा लोकमान्य बालगङ्गाधरतिलक) **गतिविधि-** निबन्धलेखन	15
2	चतुर्वेद – प्रतिपाद्य विषय, परिचय एवं वैशिष्ट्य **गतिविधि-:**आरेख निर्माण	15
3	वेदकालीन समाज एवं संस्कृति **गतिविधि-:** वेदकाल की संस्कृति के अनुरूप चार्ट निर्माण	15
4	उपवेद तथा वेदाङ्गों का सामान्य परिचय **गतिविधि-:** तालिका निर्माण	15
5	देवता परिचय – अग्नि, सवितृ, विष्णु, इन्द्र, रुद्र, अश्विनौ, वरुण, सोम तथा उषस्	15

संकल्प मिश्र

	गतिविधि-: देवता स्वरूप आधारित चित्र निर्माण	

सारबिन्दु(की वर्ड/टैग) : वैदिकसाहित्य, वैदिक इतिहास, वेदांग

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तक, सन्दर्भग्रन्थ, अन्य संसाधन

क. अनुशंसित सहायक पुस्तक/ग्रन्थ/अन्य पाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. वैदिक साहित्य और संस्कृति, पण्डित बलदेव उपाध्याय, शारदा प्रकाशन, वाराणसी
2. संस्कृत साहित्य का वृहत् इतिहास (भाग १), प्रो. ब्रजविहारी चौबे, उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंक

1. http://vedicheritage.gov.in

अनुशंसित-समकक्ष- ऑनलाईन-पाठ्यक्रम-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in
4. sanskrit.samskrutam.com

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधि

अनुशंसित सतत-मूल्यांकन विधि - लिखितपरीक्षा, आन्तरिक-मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतमांक : 100
सतत-व्यापकमूल्यांकन (CCE) अंक: 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (UE) अंक: 60

आन्तरिकमूल्यांकन : सतत-व्यापकमूल्यांकन(CCE):	कक्षा-परीक्षण Assignment/प्रस्तुतीकरण	पूर्णांक 40
आकलन : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभाग (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्न 5×1=5 अनुभाग (ब) : लघूत्तरीयप्रश्न5×3=15 अनुभाग (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्न5×8=40	पूर्णांक 60
टिप्पणी :		

संकल्प मिश्र

भाग अ – **परिचय**			
कार्यक्रम : **पत्रोपाधि**	कक्षा : **द्विवर्षीय एम. ए. (स्नातकोत्तर)**	सत्रार्द्ध : **प्रथम**	सत्र : 2025-26
विषय : **वैदिक अध्ययन**			

1.	पाठ्यक्रम- कोड	PGT-VST12
2.	पाठ्यक्रम- शीर्षक	**ऋग्वैदिक सूक्त**
3.	पाठ्यक्रम- प्रकार	मुख्यविषय (द्वितीयप्रश्नपत्र)
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(If any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।
5.	पाठ्यक्रम- अध्ययनोपलब्धि(CLO)	1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऋग्वेदीय साहित्य से परिचित कराना है। 2. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी ऋग्वेदीय साहित्य की व्याख्या कर सकेंगे। 3. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी ऋग्वेदीय साहित्य के वर्गीकरण, सूक्तों की व्याख्या तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंग।
6.	क्रेडिट-मान	05 क्रेडिट
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क 40+60 = 100 ; न्यूनतमोत्तीर्णांक 40

भाग ब – पाठ्यक्रम-विषयवस्तु		
व्याख्यान संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 05 घण्टे) : L-T-P		
इकाई	**विषय**	**व्याख्यान संख्या**
1	ऋग्वेद सूक्त - अग्नि (1.1), 2. अग्नि-मरुत् (1.19) **गतिविधि-** अग्नि के नामों का सूचीकरण	**15**
2	ऋग्वेद सूक्त -वरुण (1.24), 2. इन्द्र (1.32) **गतिविधि-:** सूक्ताधारितकथालेखन	**15**
3	ऋग्वेद सूक्त -भारतीयव्याख्यापरम्परा : अश्विनौ (1.116), 2. विष्णु (1.154) **गतिविधि-:** निबन्धलेखन, मन्त्रव्याख्या	**15**
4	ऋग्वेद सूक्त -सरमापणिसम्वाद (10.108), 2. सवितृ (1.38) **गतिविधि-:** संवादाधारितकथालेखन	**15**
5	ऋग्वेदभाष्यभूमिका (प्रारम्भ से अनुबन्धचतुष्टय तक)	**15**

संकल्प मिश्र

	गतिविधि-: प्रश्नोत्तरी	

सारबिन्दु(की वर्ड/टैग) : ऋग्वैदिक सूक्त, सरमापणिसम्वाद, ऋग्वेदभाष्यभूमिका, संवाद सूक्त

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तक, सन्दर्भग्रन्थ, अन्य संसाधन

क. अनुशंसित सहायक पुस्तक/ग्रन्थ/अन्य पाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. द न्यू वैदिक सिलेक्शन (भाग 1-2) – तैलंग एवं चौबे, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली तथा वाराणसी, १९७८
2. ऋग्वेदभाष्यभूमिका – सायण, व्याख्याकार – जगन्नाथ पाठक, चौखम्बा प्रकाशन,

ख. डिजिटल प्लेटफार्म वेबलिंक

1. http://vedicheritage.gov.in

अनुशंसित-समकक्ष- ऑनलाईन-पाठ्यक्रम-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in
4. sanskrit.samskrutam.com

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधि

अनुशंसित सतत-मूल्यांकन विधि - लिखितपरीक्षा, आन्तरिक-मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतमांक : 100
सतत-व्यापकमूल्यांकन (CCE) अंक: 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (UE) अंक: 60

आन्तरिकमूल्यांकन : सतत-व्यापकमूल्यांकन(CCE):	कक्षा-परीक्षण Assignment/प्रस्तुतीकरण	पूर्णांक 40
आकलन : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभाग (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्न 5×1=5 अनुभाग (ब) : लघूत्तरीयप्रश्न 5×3=15 अनुभाग (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्न 5×8=40	पूर्णांक 60
टिप्पणी :		

संकल्प मिश्र

भाग अ – परिचय			
कार्यक्रम : **पत्रोपाधि**	कक्षा :**द्विवर्षीय एम. ए. (स्नातकोत्तर)**	सत्रार्द्ध : प्रथम	सत्र : **2025-26**
विषय : **वैदिक-अध्ययन**			

1.	पाठ्यक्रम- कोड	PGT-VST13
2.	पाठ्यक्रम- शीर्षक	सभाष्य शुक्लयजुर्वेदसंहिता
3.	पाठ्यक्रम- प्रकार	मुख्यविषय (तृतीयप्रश्नपत्र)
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।
5.	पाठ्यक्रम-अध्ययनोपलब्धि(CLO)	1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को यजुर्वेदीय साहित्य के वर्गीकरण, सूक्तों की व्याख्या, तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है। 2. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी यजुर्वेदीय साहित्य की व्याख्या कर सकेंगे।
6.	क्रेडिट-मान	**05** क्रेडिट

7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क 40+60 = 100	न्यूनतमोत्तीर्णांक 40

भाग ब – पाठ्यक्रम-विषयवस्तु		
व्याख्यान संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 05 घण्टे) : L-T-P		
इकाई	**विषय**	**व्याख्यान संख्या**
1	भारतीयदेवताज्ञानपरम्परा : सभाष्य शुक्लयजुर्वेदसंहिता प्रथम अध्याय **गतिविधि** – इष्टि के आयोजन सोपानों का सूचीकरण	15
2	सभाष्य शुक्लयजुर्वेदसंहिता द्वितीय अध्याय **गतिविधि** – याज्ञिक सामग्री से सम्बन्धित चित्र निर्माण	15
3	सभाष्य शुक्लयजुर्वेदसंहिता षोडशोऽध्याय **गतिविधि** – विशेषण पदों द्वारा तालिका निर्माण	15
4	सभाष्य शुक्लयजुर्वेदसंहिता षट्त्रिंशोऽध्याय **गतिविधि** – चार्ट द्वारा मन्त्र व्याख्या का विस्तृत प्रतिपादन	15
5	भारतीय याग प्रतिपादन परम्परा : श्रौत विधान – सामान्य परिचय **गतिविधि** – यज्ञायुध परक आरेख निर्माण	15

संकल्प मिश्र

सारबिन्दु (की वर्ड/टैग) : शुक्लयजुर्वेदसंहिता, दर्शपौर्णमास, इष्टि, याग

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तक, सन्दर्भग्रन्थ, अन्य संसाधन

क. अनुशंसित सहायक पुस्तक/ग्रन्थ/अन्य पाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. शुक्लयजुर्वेद, वेददीपभाष्य,महीधर-उव्वट भाष्य संवलित, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. शुक्लयजुर्वेदभाष्य, स्वामी करपात्री, धानुका प्रकाशन, कलकत्ता

ख. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफार्म वेबलिंक

ग. http://vedicheritage.gov.in

अनुशंसित-समकक्ष- ऑनलाईन-पाठ्यक्रम-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in
4. sanskrit.samskrutam.com

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधि

अनुशंसित सतत-मूल्यांकन विधि - लिखितपरीक्षा, आन्तरिक-मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतमांक : 100
सतत-व्यापकमूल्यांकन (CCE) अंक: 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (UE) अंक: 60

आन्तरिकमूल्यांकन : सतत-व्यापकमूल्यांकन(CCE):	कक्षा-परीक्षण Assignment/प्रस्तुतीकरण	पूर्णांक 40
आकलन : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभाग (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्न5×1=5 अनुभाग (ब) : लघूत्तरीयप्रश्न5×3=15 अनुभाग (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्न5×8=40	पूर्णांक 60
टिप्पणी :		

भाग अ – परिचय

संकल्प मिश्र

कार्यक्रम : **पत्रोपाधि**	कक्षा :**द्विवर्षीय एम. ए. (स्नातकोत्तर)**	सत्रार्द्ध **प्रथम**	सत्र : 2025-26

विषय : **वैदिक अध्ययन**

1.	पाठ्यक्रम- कोड	PGT-VST14	
2.	पाठ्यक्रम- शीर्षक	वैदिक दर्शन	
3.	पाठ्यक्रम- प्रकार	मुख्यविषय (चतुर्थप्रश्नपत्र)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम- अध्ययनोपलब्धि(CLO)	1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे। 2. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक दार्शनिक चिन्तन, व्याख्या पद्धति तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है।	
6.	क्रेडिट-मान	05 क्रेडिट	
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क 40+60 = 100	न्यूनतमोत्तीर्णांक 40

भाग ब – पाठ्यक्रम-विषयवस्तु

व्याख्यान संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 05 घण्टे) : L-T-P

इकाई	विषय	व्याख्यान संख्या
1	भारतीयवैदिकवाङ्मय के मूल आधार वेदों में दार्शनिक चिन्तन **गतिविधि** – निबन्धलेखन	15
2	उपनिषद्दर्शन **गतिविधि-** वेदानुगुण विभाग	15
3	उपनिषदों का प्रतिपाद्य विषय **गतिविधि-:** प्रतिपाद्याधारित वर्गीकरण	15
4	उपनिषदों का व्यावहारिक चिन्तन **गतिविधि-:** प्रश्नोत्तरी	15
5	भारतीय भाष्य परम्परा : उपनिषदों के भाष्यकार **गतिविधि-:** वेदानुगुण सूचीकरण	15

सारबिन्दु(की वर्ड/टैग) :वेदभाष्यकार, उपनिषद्, दर्शन

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

संकल्प मिश्र

पाठ्यपुस्तक, सन्दर्भग्रन्थ, अन्य संसाधन

क. अनुशंसित सहायक पुस्तक/ग्रन्थ/अन्य पाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. भारतीय दर्शन, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, वाराणसी
2. भारतीय दर्शन, जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती वाराणसी

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंक

1. http://vedicheritage.gov.in

अनुशंसित-समकक्ष- ऑनलाईन-पाठ्यक्रम-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in
4. sanskrit.samskrutam.com

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधि

अनुशंसित सतत-मूल्यांकन विधि - लिखितपरीक्षा, आन्तरिक-मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतमांक : 100
सतत-व्यापकमूल्यांकन (CCE) अंक: 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (UE) अंक: 60

आन्तरिकमूल्यांकन : सतत-व्यापकमूल्यांकन(CCE):	कक्षा-परीक्षण Assignment/प्रस्तुतीकरण	पूर्णांक 40
आकलन : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभाग (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्न 5×1=5 अनुभाग (ब) : लघूत्तरीयप्रश्न 5×3=15 अनुभाग (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्न 5×8=40	पूर्णांक 60

टिप्पणी :

संकल्प मिश्र

एकवार्षिक एम्.ए.वैदिकअध्ययन

पत्रोपाधि सत्रार्द्धपरीक्षा पाठ्यक्रम

M.A.-Vaidic Studies

Syllabus

(Programme Code – PGD- VST)

द्वितीय सत्रार्द्ध

2025-2026

(वेद विभाग)

वेद-वेदाङ्ग एवं साहित्य सङ्काय

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय

देवास मार्ग, उज्जैन (मध्यप्रदेश) भारत, पिन - 456010

Email:- regpsvvmp@rediffmail.com, Website:- www.mpsvv.ac.in

संकल्प मिश्र

भाग अ – परिचय

कार्यक्रम : **पत्रोपाधि**	कक्षा : **द्विवर्षीय एम. ए. (स्नातकोत्तर)**	सत्रार्द्ध : **द्वितीय**	सत्र : **2025-26**

विषय : **वैदिक अध्ययन**

1.	पाठ्यक्रम- कोड	PGT-VST 21	
2.	पाठ्यक्रम- शीर्षक	वेदपरिचय, ब्राह्मण, श्रौतसूत्र एवं वैदिक व्याकरण	
3.	पाठ्यक्रम- प्रकार	मुख्यविषय (प्रथमप्रश्नपत्र)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(If any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम-अध्ययनोपलब्धि(CLO)	1. विद्यार्थी वैदिक साहित्य का इतिहास एवं व्याकरण के सिद्धान्तों की व्याख्या कर सकेंगे 2. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वैदिक साहित्य के वर्गीकरण, भाष्य परम्परा, वैदिक यागों के स्वरूप तथा महत्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।	
6.	क्रेडिट-मान	05 क्रेडिट	
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क 40+60 = 100	न्यूनतमोत्तीर्णांक 40

भाग ब – पाठ्यक्रम-विषयवस्तु

व्याख्यान संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 05 घण्टे) : **L-T-P**

इकाई	विषय	व्याख्यान संख्या
1	भारतीय वैदिक परम्परा प्रतिपाद्य विषय, परिचय, वैशिष्ट्य, वेदभाष्यों एवं वेदभाष्यकारों का विवरण। **गतिविधि** – निबन्धलेखन	**15**
2	वेदानुक्रमणी एवं बृहद्देवता ग्रन्थ का परिचय, वेदपाठप्रणाली **गतिविधि** - ग्रन्थाधारित प्रश्नोत्तरी	**15**
3	शतपथब्राह्मण पञ्चम काण्ड – वाजपेय एवं राजसूय यज्ञ **गतिविधि** - यागों के देवता एवं हविर्द्रव्य के अनुसार तालिका निर्माण	**15**
4	भारतीययज्ञपरम्परा : कात्यायनश्रौतसूत्र – प्रथम अध्याय (6-10 कण्डिका) **गतिविधि** - यज्ञायुध परिचय परक आरेख निर्माण	**15**
5	वैदिक व्याकरण – धातुस्वर, प्रातिपदिक, प्रत्यय, तिङन्तस्वर प्रकरण तथा	**15**

संकल्प मिश्र

	स्वरसञ्चारप्रकार **गतिविधि -** प्रश्नोत्तरी	

सारबिन्दु(की वर्ड/टैग) : कात्यायनश्रौतसूत्र, प्रातिशाख्य, राजसूय, वाजपेय, बृहद्देवता, वेदानुक्रमणी

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तक, सन्दर्भग्रन्थ, अन्य संसाधन

क. अनुशंसित सहायक पुस्तक/ग्रन्थ/अन्य पाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति – डॉ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. शतपथब्राह्मण, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
3. बृहद्देवता, रामकुमार राय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
4. कात्यायनश्रौतसूत्र, विद्याधर शर्मा गौड, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
5. सिद्धान्तकौमुदी (स्वरवैदिकी प्रकरण) – गोविन्दाचार्य व्याख्या, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंक

1. http://vedicheritage.gov.in

अनुशंसित-समकक्ष- ऑनलाईन-पाठ्यक्रम-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in
4. sanskrit.samskrutam.com

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधि

अनुशंसित सतत-मूल्यांकन विधि - लिखितपरीक्षा, आन्तरिक-मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतमांक : 100
सतत-व्यापकमूल्यांकन (CCE) अंक: 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (UE) अंक: 60

आन्तरिकमूल्यांकन : सतत-व्यापकमूल्यांकन(CCE):	कक्षा-परीक्षण Assignment/प्रस्तुतीकरण	पूर्णांक 40
आकलन : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभाग (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्न5×1=5 अनुभाग (ब) : लघूत्तरीयप्रश्न5×3=15 अनुभाग (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्न5×8=40	पूर्णांक 60

टिप्पणी :

संकल्प मिश्र

भाग अ – परिचय			
कार्यक्रम : **पत्रोपाधि**	कक्षा :**द्विवर्षीय एम. ए. (स्नातकोत्तर)**	सत्रार्द्ध: **द्वितीय:**	सत्र : **2025-26**
विषय : **वैदिक अध्ययन**			

1.	पाठ्यक्रम- कोड	PGT-VST22
2.	पाठ्यक्रम- शीर्षक	भाष्यभूमिका एवं वैदिकसूक्त
3.	पाठ्यक्रम- प्रकार	मुख्यविषय (द्वितीयप्रश्नपत्र)
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(If any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।
5.	पाठ्यक्रम- अध्ययनोपलब्धि(CLO)	1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऋग्वेदभाष्यभूमिका की विषयवस्तु तथा महत्त्व आदि विषयों से परिचित कराना है। 2. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी ऋग्वेदीय मन्त्रों की व्याख्या कर सकेंगे। 3. इस के माध्यम से विद्यार्थी ऋग्वेदभाष्यभूमिका की विषयवस्तु तथा महत्त्व आदि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।
6.	क्रेडिट-मान	05 क्रेडिट
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क 40+60 = 100 ; न्यूनतमोत्तीर्णांक40

भाग ब – पाठ्यक्रम-विषयवस्तु		
व्याख्यान संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 05 घण्टे) : L-T-P		
इकाई	विषय	व्याख्यान संख्या
1	भारतीयमन्त्रव्याख्यापरम्परा : ऋग्वेद सूक्त – 1. उषस् (3.61), 2. मण्डूक (7.103) **गतिविधि-** विषयाधारित निबन्ध लेखन	15
2	ऋग्वेद सूक्त – 1. सूर्य (1.115), 2. विश्वामित्रनदीसंवाद (3.33) **गतिविधि-:** संवादाधारित कथा लेखन	15
3	ऋग्वेद सूक्त – 1. वाक् (10.125), 2. पर्जन्य (5.83) **गतिविधि-:** मन्त्र व्याख्या परक चित्र निर्माण	15
4	ऋग्वेद सूक्त – 1.नासदीय (10.129), 2. हिरण्यगर्भ (10.121) **गतिविधि-:** प्रश्नोत्तरी	15
5	ऋग्वेदभाष्यभूमिका- अनुबन्ध चतुष्टय से ग्रन्थ समाप्ति तक	15

संकल्प मिश्र

	गतिविधि-: विषयाधारित तालिका निर्माण	

सारबिन्दु(की वर्ड/टैग) : ऋग्वैदिक सूक्त, ऋग्वेदभाष्यभूमिका, मन्त्र व्याख्या

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तक, सन्दर्भग्रन्थ, अन्य संसाधन

क. अनुशंसित सहायक पुस्तक/ग्रन्थ/अन्य पाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. न्यू वैदिक सिलेक्शन (भाग 01 एवं 02) – तैलङ्ग एवं चौबे, भारतीय विद्या प्रकाशन, नई दिल्ली
2. ऋग्वेदभाष्यभूमिका– जगन्नाथ पाठक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंक

1. http://vedicheritage.gov.in

अनुशंसित-समकक्ष- ऑनलाईन-पाठ्यक्रम-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in
4. sanskrit.samskrutam.com

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधि

अनुशंसित सतत-मूल्यांकन विधि - लिखितपरीक्षा, आन्तरिक-मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतमांक : 100
सतत-व्यापकमूल्यांकन (CCE) अंक: 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (UE) अंक: 60

आन्तरिकमूल्यांकन : सतत-व्यापकमूल्यांकन(CCE):	कक्षा-परीक्षण Assignment/प्रस्तुतीकरण	पूर्णांक 40
आकलन : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभाग (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्न5×1=5 अनुभाग (ब) : लघूत्तरीयप्रश्न5×3=15 अनुभाग (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्न5×8=40	पूर्णांक 60
टिप्पणी :		

संकल्प मिश्र

भाग अ – परिचय			
कार्यक्रम : **पत्रोपाधि**	कक्षा :**द्विवर्षीयएम. ए. (स्नातकोत्तर)**	सत्रार्द्धः **द्वितीयः**	सत्र : **2025-26**
विषय : **वैदिक अध्ययन**			

1.	पाठ्यक्रम- कोड	PGT-VST23	
2.	पाठ्यक्रम- शीर्षक	यजुर्वेदीय सूक्त	
3.	पाठ्यक्रम- प्रकार	मुख्यविषय (तृतीयप्रश्नपत्र)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(If any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम-अध्ययनोपलब्धि(CLO)	1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश विद्यार्थियों को शुक्लयुजुर्वेदीय मन्त्रों के व्याख्यान से परिचित कराना है। जिससे छात्र इन मन्त्रों की व्याख्या कर सकेंगे। 2. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्मार्तविधानों का प्रयोग तथा महत्व आदि विषयों से परिचित कराना है। जिससे छात्र स्मार्त विधानों का प्रयोग तथा महत्वादि विषयों की व्याख्या कर सकेंगे।	
6.	क्रेडिट-मान	05 क्रेडिट	
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क 40+60 = 100	न्यूनतमोत्तीर्णांक40

भाग ब – पाठ्यक्रम-विषयवस्तु		
व्याख्यान संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 05 घण्टे) : **L-T-P**		
इकाई	**विषय**	**व्याख्यान संख्या**
1	भारतीयदेवताज्ञानपरम्परा : सभाष्य शुक्लयजुर्वेद संहिता १८ अध्याय **गतिविधि-**विषयाधारितनिबन्धलेखन	**15**
2	सभाष्य शुक्लयजुर्वेद संहिता ३१ अध्याय **गतिविधि-:** विराट् पुरुष के गुणों की सूची निर्माण	**15**
3	सभाष्य शुक्लयजुर्वेद संहिता ३४ अध्याय **गतिविधि-:** विभिन्नपारिभाषिकपदों की तालिकानिर्माण	**15**
4	सभाष्य शुक्लयजुर्वेद संहिता ४० अध्याय **गतिविधि-:** यज्ञायुधानां आरेखनिर्माणम्	**15**
5	स्मार्त विधान – सामान्य परिचय **गतिविधि-:** यागविषयणीप्रश्नोत्तरी	**15**

संकल्प मिश्र

सारबिन्दु(की वर्ड/टैग) : शुक्लयजुर्वेद सूक्त, शिवसंकल्पसूक्त, पुरुषसूक्त

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तक, सन्दर्भग्रन्थ, अन्य संसाधन

क. अनुशंसित सहायक पुस्तक/ग्रन्थ/अन्य पाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. शुक्लयजुर्वेद संहिता – वेददीपभाष्य महीधरकृत, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. वैदिकयज्ञपरिचय–वेणीरामशर्मागौड, चौखम्बाप्रकाशन, वाराणसी

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंक

1. http://vedicheritage.gov.in

अनुशंसित-समकक्ष- ऑनलाईन-पाठ्यक्रम-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in
4. sanskrit.samskrutam.com

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधि

अनुशंसित सतत-मूल्यांकन विधि - लिखितपरीक्षा, आन्तरिक-मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतमांक : 100
सतत-व्यापकमूल्यांकन (CCE) अंक: 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (UE) अंक: 60

आन्तरिकमूल्यांकन : सतत-व्यापकमूल्यांकन(CCE):	कक्षा-परीक्षण Assignment/प्रस्तुतीकरण	पूर्णांक 40
आकलन : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभाग (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्न5×1=5 अनुभाग (ब) : लघूत्तरीयप्रश्न5×3=15 अनुभाग (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्न5×8=40	पूर्णांक 60

टिप्पणी :

संकल्प मिश्र

भाग अ – परिचय			
कार्यक्रम : **पत्रोपाधि**	कक्षा :**द्विवर्षीय एम. ए. (स्नातकोत्तर)**	सत्रार्द्ध: **द्वितीय:**	सत्र : **2025-26**
विषय : **वैदिक अध्ययन**			

1.	पाठ्यक्रम- कोड	PGT-VST24	
2.	पाठ्यक्रम- शीर्षक	**गीता एवं वैदिकदर्शन**	
3.	पाठ्यक्रम- प्रकार	मुख्यविषय (चतुर्थप्रश्नपत्र)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(If any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5.	पाठ्यक्रम-अध्ययनोपलब्धि(CLO)	1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक दर्शन के मूलभूत सिद्धान्तों से परिचित कराना है। 2. विद्यार्थियों को वैदिक दर्शन परक साहित्य का वर्गीकरण व्याख्या एवं महत्व आदि विषयों से परिचित कराना है।	
6.	क्रेडिट-मान	**05** क्रेडिट	
7.	पूर्णांक	अधिकतमाङ्क 40+60 =100	न्यूनतमोत्तीर्णांक 40

भाग ब – पाठ्यक्रम-विषयवस्तु		
व्याख्यान संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 05 घण्टे) : **L-T-P**		
इकाई	**विषय**	**व्याख्यान संख्या**
1	ब्रह्मसूत्र का परिचय **गतिविधि-**निबन्धलेखन	**15**
2	ईशादि दश उपनिषदों का परिचय **गतिविधि-:** प्रक्रियाधारितसामग्री	**15**
3	भगवद्गीता का परिचय **गतिविधि-:** कण्ठस्थीकरण	**15**
4	वेदान्तसार अनुबन्ध चतुष्टय **गतिविधि-:** सूत्राधारितकथालेखन	**15**
5	वेदान्तसार – महावाक्यार्थ **गतिविधि-:** प्रश्नोत्तरी	**15**

संकल्प मिश्र

सारबिन्दु(की वर्ड/टैग) :उपनिषद्, भगवद्गीता, ब्रह्मसूत्र, वेदान्त

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तक, सन्दर्भग्रन्थ, अन्य संसाधन

क. अनुशंसित सहायक पुस्तक/ग्रन्थ/अन्य पाठ्यसंसाधन/पाठ्यसामग्री-

1. ब्रह्मसूत्र, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. ईशादि दशोपनिषत्-, गीताप्रेस , गोरखपुर
3. वेदान्तसार, सदानन्दयोगीन्द्र, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान
4. भारतीय दर्शन, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा ओरियन्टला, वाराणसी

ख. अनुशंसितडिजिटलप्लेटफार्मवेबलिंक

1. http://vedicheritage.gov.in

अनुशंसित-समकक्ष- ऑनलाईन-पाठ्यक्रम-

1. Sanskrit.inira.fr/
2. Learnsanskrit.cc/index
3. Swayam.gov.in
4. sanskrit.samskrutam.com

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधि

अनुशंसित सतत-मूल्यांकन विधि - लिखितपरीक्षा, आन्तरिक-मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतमांक : 100
सतत-व्यापकमूल्यांकन (CCE) अंक: 40 विश्वविद्यालयीयपरीक्षा (UE) अंक: 60

आन्तरिकमूल्यांकन : सतत-व्यापकमूल्यांकन(CCE):	कक्षा-परीक्षण Assignment/प्रस्तुतीकरण	पूर्णांक 40
आकलन : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा :	अनुभाग (अ) : अतिलघूत्तरीयप्रश्न5×1=5 अनुभाग (ब) : लघूत्तरीयप्रश्न5×3=15 अनुभाग (स) : दीर्घोत्तरीयप्रश्न5×8=40	पूर्णांक 60
टिप्पणी :		

संकल्प मिश्र